प्रदेश के 75 जिलों के ओडीओपी उत्पादों की होगी पैकेजिंग

सीएफसी : खुटहन में बनने वाले कॉमन फैसिलिटी सेंटर का 28 फरवरी को होगा भूमिपूजन, खर्च होंगे 3.91 करोड़, मुख्यमंत्री योगी को आमंत्रण देने की तैयारी

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। गोरक्षनगरी के टेराकोटा समेत प्रदेश के 75 जिलों के ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) उत्पादों की पैकेजिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले के खुटहन क्षेत्र में कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) की स्थापना की तैयारियां तेज हो गई हैं।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना का भूमिपूजन 28 फरवरी को प्रस्तावित है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हो सकते हैं। यह प्रदेश का पहला सीएफसी होगा।

सीएफसी में अत्याधुनिक पैकेजिंग मशीनें बाहर से मंगाई जाएंगी, जिससे टेराकोटा व अन्य जिलों के उत्पादों की गुणवत्ता और प्रस्तुति बेहतर हो सके। केंद्र के निर्माण और मशीनों सहित अन्य व्यवस्थाओं पर लगभग 3.91 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। खुटहन में इसके लिए उद्यमी संगीता की ओर से जमीन ले ली गई है। इसमें सरकार सब्सिडी देगी। इस सुविधा के शुरू होने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। प्रारंभिक चरण में करीब 100 महिलाओं को काम से जोड़ा जाएगा, जिससे उन्हें आर्थिक सशक्तीकरण का अवसर मिलेगा।

बदल रहा है गोरखपुर

बीते दिनों गीडा के स्थापना दिवस समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने इस पहल के लिए उद्यमी संगीता पांडेय को पांच लाख रुपये का चेक सौंपकर परियोजना को प्रोत्साहन दिया था। इसके बाद से योजना को जमीन पर उतारने की दिशा में तेजी आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि सीएफसी के संचालन से ओडीओपी उत्पादों की ब्रांडिंग और पैकेजिंग में सुधार होगा। इससे बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और निर्यात की संभावनाएं मजबूत होंगी।

गुलरिहा में दुकानों में बिकता ओडीओपी का टेराकोटा उत्पाद। संवाद

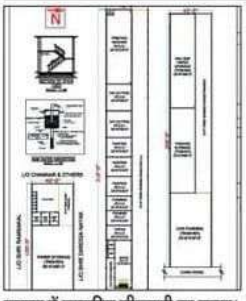

खुटहन में प्रस्तावित सीएफसी का नक्शा।

स्थानीय उद्यमियों और महिला समूहों ने इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि इससे क्षेत्र के उद्योग और स्वरोजगार को नई दिशा मिलेगी।

उद्यम में बदल गया टेराकोटा शिल्प

टेराकोटा शिल्प को उद्यम में बदलने के लिए ओडीओपी योजना में शामिल किया तो यह उद्यम में बदल गया। ओडीओपी में शामिल होने के बाद टेराकोटा शिल्पकारों को संसाधनगत, वित्तीय व तकनीकी मदद तो मिली ही बाजार का विस्तार भी हो गया। वर्तमान में टेराकोटा के मूल गांव औरंगाबाद के साथ ही गुलरिहा, भरवलिया, जंगल एकला नंबर-2, अशरफपुर, हाफिज नगर, पादरी बाजार, बेलवा, बालापार, शाहपुर, सरैया बाजार, झुंगिया, झंगहा क्षेत्र के अराजी राजधानी आदि गांवों में टेराकोटा शिल्प का काम वृहद स्तर पर चल रहा है। ओडीओपी में शामिल होने के बाद बाजार बढ़ने से करीब 35-40 फीसद नए लोग भी टेराकोटा के कारोबार से जुड़े हैं।

सीएफसी के निर्माण को लेकर सरकार अंशदान कर रही है। इसका भूमिपूजन 28 फरवरी को होगा। सीएम योगी के लिए आमंत्रण पत्र तैयार किया जा रहा है। जल्द ही सीएम को आमंत्रण सौंपा जाएगा। यह प्रदेश का पहला सीएफसी है, जहां टेराकोटा सहित अन्य जिलों के ओडीओपी की भी पैकेजिंग होगी। महिलाओं को इससे संबल मिलेगा।

– संगीता पांडेय, उद्यमी

बक्शीपुर में एक और उपकेंद्र स्थापित करने की संभावना

गोरखपुर। भविष्य में बढ़ती बिजली की मांग को देखते हुए बक्शीपुर में एक और उपकेंद्र स्थापित करने की संभावना तलाशने का काम शुरू हो गया है। बक्शीपुर खंड कार्यालय परिसर में वर्तमान में दो उपकेंद्र संचालित हैं। वहीं, विरासत गलियारा के निर्माण के कारण बक्शीपुर न्यू उपकेंद्र पूरी तरह उस निर्माण क्षेत्र में आ रहा है, इसलिए इसे पीछे शिफ्ट करने की योजना बनाई जा रही है। इस उपकेंद्र के लिए अंग्रेजों के जमाने में बने पुराने भवन को गिराया जाएगा। बक्शीपुर ओल्ड उपकेंद्र के कंट्रोल रूम के मुख्य द्वार तक नया गलियारा पहुंच रहा है, जिससे मुख्य द्वार का मार्ग दोबारा व्यवस्थित करना आवश्यक हो गया है। बक्शीपुर पहुंचे अधीक्षण अभियंता शहरी रणजीत चौधरी ने नए कार्यालय भवन को लेकर अभियंताओं से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण में न केवल तकनीकी मानकों का ध्यान रखा जाए, बल्कि अभियंताओं और उपभोक्ताओं की सुविधा भी सुनिश्चित हो। कार्यालय तक पहुंचने में दिव्यांगों को किसी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा, उपभोक्ताओं के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए ताकि उन्हें किसी प्रकार की दिक्कत न हो। रणजीत चौधरी ने कहा कि बक्शीपुर में भविष्य में एक और उपकेंद्र स्थापित करने की संभावना हो सकती है और इसके लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। इससे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को बेहतर बनाने और उपभोक्ताओं की सुविधा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। संवाद